वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 257 | रविवार 14 जनवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा पद्धति को मान्यता देने में राजस्थान प्रथम राज्य

चिकित्सा जनसेवा का श्रेष्ठ मार्ग: मुख्यमंत्री

इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा परिषद का राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राष्ट्रीय सेमिनार

जयपुर. शाबाश इंडिया

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की उपस्थिति में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में शनिवार को इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा परिषद का 13वां राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित हुआ। विश्व इलेक्ट्रोपैथी दिवस पर ''रिनल डिस्ऑर्डर्स एंड इलेक्ट्रोपैथी एप्रोच'' विषयक सेमिनार में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दुनिया को पद्धति देने वाले काउंट सीजर मैटी को नमन किया। शर्मा ने कहा कि जनसेवा का श्रेष्ठ मार्ग चिकित्सा है। इलेक्ट्रो-होम्योपैथी हर्बल चिकित्सा में औषधीय पौधों के रसों के जरिए उपचार किया जाता है। यह प्रभावी चिकित्सा पद्धति के रूप में उभर रही है। इलेक्ट्रोपैथी औषधियां विभिन्न रोगों के इलाज में प्रभावी साबित हुई। शर्मा ने कहा कि काउंट सीजर मैटी मानते थे कि हमारा भोजन पेड़-पौधे ही हैं तो उपचार भी औषधीय पेड़-पौधों के जरिए खोजना चाहिए। राजस्थान में भी रोगियों का उपचार इस पद्धति से हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि राजस्थान इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा पद्धति को मान्यता देने वाला देश में प्रथम राज्य है। सबसे पहले राजस्थान विधानसभा ने राजस्थान इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा पद्धति विधेयक, 2018 पारित किया। इस पद्धति को आगे बढ़ाने और रोगियों को उपचार उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इस पद्धति से जुड़े चिकित्सकों और संस्थाओं को पूरा सहयोग मिलेगा। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए एम्स खोलने के साथ ही आयुष मंत्रालय से नई आयुष पद्धतियों का निरंतर विकास हो रहा है। उनके द्वारा योग और स्वस्थ जीवनशैली के माध्यम से मानवता को निरोग और स्वस्थ रहने का संदेश दिया गया है।

राम को नहीं मानना, संविधान निर्माताओं का अपमान

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि संविधान में भी राम मंदिर का जिक्र है। जो लोग राम को नहीं मानते हैं, वे संविधान निमार्ताओं का भी अपमान कर रहे हैं। राष्ट्र हित को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जा सकता। उन्होंने कहा कि संविधान में भी राम मंदिर का जिक्र है। संविधान में भी देखें तो राम-सीता और लक्ष्मण के फोटो छुपे हुए हैं। उन्होंने यह बात शनिवार को विश्व इलेक्ट्रोपैथी दिवस के मौके पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर ऑडिटोरियम में कही। वे यहां राष्ट्रीय सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। गौरतलब है कि कांग्रेस ने 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में नहीं जाने का फैसला किया है। धनखड़ के बयान को कांग्रेस के फैसले से जोड़कर ही देखा जा रहा है। धनखड़ ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की तरफ इशारा करते हुए कहा- यह आपको सौभाग्य मिला है और मुझे भी मिला है कि मैंने आज तक कोई छुट्टी नहीं ली है। अब आपको कोई छुट्टी नहीं लेनी होगी। समाज भी तभी काम करेगा, जब शरीर की तरह सभी अंग काम करेंगे। जब भारत आजादी के स्वर्णिम 100 साल मनाएगा, तब भारत दुनिया में सिरमौर होगा।

आसमान मे उड़ने का पहला अधिकार परिन्दों का: जोराराम कुमावत

परिन्दों के लिए ''ऑपरेशन फ्री स्काई'', पशुपालन मंत्री ने किया विशेष पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रदेश में पशु कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत वर्ल्ड संगठन, एनिमल वैल्फेयर बोर्ड ऑफ इंडिया, राज्य जीव जन्तु कल्याण बोर्ड, पशुपालन विभाग तथा जयपुर जिला पशु क्रूरता निवारण समिति के संयुक्त तत्वावधान में 15 जनवरी को मकर संक्रान्ति के अवसर पर पतंगों की डोर से घायल परिन्दों को बचाने के लिए ''आपरेशन फ्री स्काई'' अभियान चलाया जा रहा है। विद्यार्थियो एवं आमजन को इस मुहिम मे सक्रिय रूप से जोडने के उद्देश्य से पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत तथा राज्य जीव जन्तु कल्याण बोर्ड के सदस्य एवं भारतीय जीव जन्तु कल्याण बोर्ड के प्रतिनिधि मनीष सक्सेना ने ''ऑपरेशन फ्री स्काई'' अभियान पर विशेष पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि परिन्दों के आसमान मे उड़ने की आजादी में हमें बाधक नहीं बनना चाहिए क्योंकि आसमान मे उड़ने का पहला अधिकार परिन्दों का है तथा मकर संक्रान्ति के अवसर पर घायल परिन्दों को बचाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने समस्त शहरवासियो से अपील की है कि पक्षियो के उडने के पीक आवर्स सुबह 6 से 8 और शाम 5 से 7 बजे के बीच पतंगबाजी ना करे व चाइनीज मांझे से पतंग ना उड़ाये। राज्य जीव जन्तु कल्याण बोर्ड के सदस्य मनीष सक्सेना ने बताया कि मकर संक्रान्ति के पर्व पर उड़ाई जाने वाली पतंगों की डोर में फंसने से हजारो पक्षी घायल हो जाते हैं तथा चिकित्सकीय सुविधा के आभाव में दम तोड़ देते हैं। मनीष सक्सेना ने नागरिको से अपील की है कि वह घायल परिंदो को तुरन्त चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने मे मदद करे। मासूम परिंदो को बचाने के लिए पशुपालन विभाग एवं वर्ल्ड संगठन शहरवासियो को इस मुहिम से जोडकर घायल पक्षियो को तुरन्त प्राथमिक उपचार दिलवाने मे सहायता प्रदान कर रहा है जिसके लिए 20 क्षेत्रीय बर्ड रेस्क्यू सेंटर स्थापित किए गए हैं। पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक एवं जिला पशु क्रूरता निवारण समिति के सदस्य सचिव डॉ. प्रवीण कुमार सेन ने बताया कि शहर को 20 क्षेत्रो मे बाँटकर ''क्षेत्रीय बर्ड रेस्क्यू सेन्टर'' बनाए गए है जिसमे 21 पशुचिकित्सक तथा पक्षी मित्र अपनी सेवाऐ प्रदान करेगे। साथ ही समस्त शहरवासियो से अपील की जाती है कि घायल पक्षी दिखने पर वह सम्बन्धित क्षेत्र के ''क्षेत्रीय पशुचिकित्सालय'' मे प्रातः 9 से 6 बजे तक उन्ह पहुँचाकर उपचार दिलवाएं। पशुपालन विभाग के उपनिदेशक, पॉली क्लिनिक डॉ. जितेन्द्र राजोरिया ने बताया कि घायल पक्षियो का मौके पर उपचार हेतु ''मोबाईल यूनिट'' का भी गठन किया गया है जिसमे प्रभारी वरिष्ठ पशुचिकित्सक डॉ. प्रदीप सोठवाल एवं पशुचिकित्सक डॉ. विश्वजीत बारहेट, योगेंद्र शर्मा, प्रिया तथा विमलेश जाट अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे।

दिगम्बर जैन सोश्यल ग्रुप संगिनी फॉरेवर ने की गौसेवा

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष जैन रत्न स्व. श्री प्रदीप कुमार सिंह जी कासलीवाल की 76वी जन्म जयंती दिवस को आज दिनांक 13 जनवरी 2024 को दिगम्बर जैन सोश्यल ग्रुप संगिनी फॉरेवर ग्रुप जयपुर द्वारा गौ सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। संगिनी फॉरेवर ग्रुप की अध्यक्ष ने बताया कि फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष परम आदरणीय स्व. श्री प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल के 76 जन्म जयंती पर दिगम्बर जैन सोश्यल ग्रुप फेडरेशन राज. रीजन के आव्हान पर संगिनी फॉरेवर ग्रुप जयपुर के सदस्यों ने आज दुगार्पुर गौशाला पहुंचकर अपने हाथों से गौधन को खल, गुड़ रोटियां और चारा खिला कर सेवा की। इसके पश्चात सभी ने ठंडी ठंडी छाछ का आनन्द लिया, अंत में कार्यक्रम के सफल आयोजन पर कार्यक्रम कि पुण्यार्जक अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस विशेष अवसर पर जीव सेवा के कार्यक्रम के लिए अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका ने बताया कि संस्कृतिक मंत्री बबीता जैन धार्मिक मंत्री अनिता बिंदायका बीना साह अनिता ठोलिया, रानी बोहरा आदि उपस्तिथि रही।

गुलाबीनगर ग्रुप का सामाजिक सेवाभाव कार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया। शनिवार दिनांक 13 जनवरी, 2024 को दोपहर 1:15 स्त्रे से 2.45 स्त्रे तक ''जैन रत्न'' स्व.श्री प्रदीपकुमार सिंह कासलीवाल जी की 76 वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में ग्रुप की सामाजिक सरोकार गतिविधी के अंतर्गत दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन के पास कच्ची बस्ती में व शीतला माता मंदिर दुर्गापुरा व श्रीजी नगर कच्ची बस्ती में महिलाओं व बालिकाओं को 250 सैनिटरी नैपकिन्स सुमन बज, सुशीला बड़जात्या, उमा सेठी ने वितरीत कर इस दिवस को सेवा दिवस के रूप में मनाया। कार्यक्रम में सुनील बज अध्यक्ष, विनोद बड़जात्या सचिव, प्रवीण सेठी, नरेन्द्र जी कासलीवाल उपस्थित रहे।

सम्यक ग्रुप का मानव सेवार्थ कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष ''जैन रत्न'' स्व. प्रदीप कुमार सिंह जी कासलीवाल की 76 वीं जन्म जयंती है। इस अवसर को यादगार बनाने हेतु सामाजिक मानव सेवार्थ गतिविधि के अंतर्गत दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक द्वारा दिनांक 13 जनवरी 2024 शनिवार को मदर टेरेसा होम प्रतापनगर अनाथाश्रम में फल वितरित किये गए । सभी सदस्य प्रातः 9 बजे मदर टेरेसा होम सेक्टर 18 प्रतापनगर में उपस्थित हुए। होम के 18 बच्चों एवं 56 वयस्को को केले, सेव एवं बिस्कुट के पैकेट वितरित किये गए। इस कार्यक्रम में सम्यक ग्रुप अध्यक्ष महावीर लक्ष्मी बोहरा, सचिव इन्द्र कुमार स्नेह जैन, संरक्षक महावीर बिंदायका, कोषाध्यक्ष मुकेश शाह, सुनील ठोलिया आदि सदस्य उपस्थित रहे।

एक दिवसीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

युवा अहिंसा प्रशिक्षण राष्ट्रोन्नति में योगीभूतः डॉ. राठौड़

लाडनूं। जैन विश्वभारती संस्थान में संचालित अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा टैगोर महाविद्यालय निम्बीजोधा में राष्ट्रीय युवा दिवस पर एक दिवसीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से महाविद्यालय के विद्यार्थियों को अहिंसा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में व्याख्यान द्वारा अहिंसा की अवधारणा का सैद्धांतिक पक्ष युवाओं के सामने रखा गया और अहिंसा के व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए योग एवं प्रेक्षाध्यान की पद्धति के माध्यम से अहिंसक बनने का संदेश दिया गया। इस एक दिवसीय शिविर में विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.रविंद्र सिंह राठौड़ ने युवा वर्ग का राष्ट्रीय निर्माण में क्या योगदान है? इस विषय पर व्याख्यान दिया और युवाओं को राष्ट्र का भविष्य बतलाया। अहिंसा प्रशिक्षण पर अपने विचार व्यक्त करते हुए विभाग की सहायक आचार्य डॉ.लिपि जैन ने बतलाया कि अहिंसा प्रशिक्षण वर्तमान परिवेश में व्यक्तिगत, सामाजिक, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय हर प्रकार की समस्या के निराकरण हेतु महत्वपूर्ण आयाम है,जिसको सहज रूप से जीवन में अपनाया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य डॉ.बलबीर सिंह ने किया। इस अवसर पर टैगोर महाविद्यालय के प्राचार्य बाबूलाल कंडावरिया, टैगोर उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य सूर्यप्रकाश, महाविद्यालय के एनसीसी प्रभारी रविंद्र सिंह जोधा तथा विभाग व महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रतिभागियों की संख्या 86 रही।

चित्रकूट कॉलोनी जैन मंदिर में त्यागी वृति संत भवन का शिलान्यास 17 जनवरी को

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर चित्रकूट कॉलोनी दिगंबर जैन मंदिर में 17 जनवरी 2024 बुधवार को त्यागी वर्ती संत भवन का शिलान्यास, औषधालय एवम संत भवन के अग्र भाग का शिलान्यास समारोह होगा। मीडिया प्रभारी दीपक जैन पहाड़िया ने बताया कि मंदिर प्रबंध समिति की कार्यकारिणी ने राष्ट्र गौरव गणिनी आर्यिका श्री भरतेश्वर मति माता जी ससंघ के सानिध्य में पत्रिका का विमोचन किया । इस अवसर पर मंदिर अध्यक्ष केवलचन्द गंगवाल और मंत्री अनिल जैन बोहरा, संयोजक ओम कटारिया , योगेश पाटनी, सत्यप्रकाश कासलीवाल , कैलाश जैन, दीपक जैन पहाड़िया आदि उपस्थित रहे।

राउमावि आसना में आपदा राहत बचाव का डेमो दिया डी कंपनी ने

उदयपुर. शाबाश इंडिया। डी कम्पनी SDRF उदयपुर (राज.) द्वारा खेमली पंचायत समिति पर स्थापित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आसना में दिनांक 13.01.2024 शनिवार को ऊ कम्पनी SDRF, उदयपुर द्वारा भगवान सिंह मीणा, प्लाटून कंमाडर के नेतृत्व में आपदा राहत एवं बचाव कार्य, डेमो प्रदान जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इसके प्रदर्शन से विद्यालय के लगभग 350 से विद्यार्थियों एवं स्टाफ को आपदा से कैसे निपटरा जाना है? हमें 'किस प्रकार से लोगों की मदद करनी चाहिए, ज्ञानवर्धक जानकारी प्राप्त हुई । इस टीम द्वारा बाढ़ में डूबे लोगों को कैसे सहायता पहुंचा सकते हैं, भूकम्प के समय हमें क्या करना , किसी की दुर्घटना घट जाए तो कैसे राहत पहुचानी, गैस से आग लगने पर क्या करें । पानी में कोई डूब रहा है तो कैसे बचावे आदि अनेक कार्य का डेमो देकर पूरी टीम ने प्रदर्शन किया। इस टीम के नेतृत्व भारतसिंह व शम्भूसिंह ने किया । प्रधानाचार्य डॉ. महावीर प्रसाद जैन ने पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

वेद ज्ञान

स्वार्थी की दुर्गति निश्चित है

परमात्मा से सदैव यह प्रार्थना करो कि हे परमात्मा ! मेरे जीवन का ये फूल सदैव जीवनरूपी पेड़ की डाली पर लगा हुआ महकता रहे, खुद प्रसन्न रहे और खुशी लुटाता रहे, यह खिला रहे व सबको खिलाता रहे, चहुंओर सुगन्ध लुटाता रहे। डाली पर हंसते मुस्कुराते हुए एवं लोगों को सुख पहुंचाते हुए ये झड़ जाए, प्रभु ! इस पर आपकी ऐसी कृपा हो जाए। आपसे हमारी विनती है कि यह जीवन-पुष्प सड़े नहीं, गले नहीं, बिखरे नहीं। हंसते-मुस्कुराते हुए सभी को अपनी खुशबू लुटाते हुए इसकी पत्तियां झड़ भी जाएं, जीवन की सांस रुक भी जाय, यह सांसें बिखर भी जाएं, तो भी कोई चिन्ता की बात नहीं। बस ! इतना कर देना कि अन्त तक मेरे जीवन-पुष्प की खुशबू हवा में फैलती रहे, मेरे चिन्तन, आचरण, व्यवहार और कर्मों की सुवास का लाभ मेरी अन्तिम सांस तक सर्वसाधारण को मिलता रहे। बन्धुओं, सदैव कामना करना कि परमात्मा आपको इस लायक बनाए रखे कि आपके द्वारा लोगों की सेवा होती रहे। यहां एक बात आपसे अवश्य कहूंगा कि कृत-सेवा से कभी किसी फल की कामना और आशा मत करना। हमेशा यह कामना करना कि मैं दूसरों को तो दूं, पर लेने के लिए कभी किसी के सामने हाथ आगे न फैलाऊं। आप कहना, हे भगवान ! इस दुनिया में मैं दाता बनकर जीवित रहूं, याचक बनकर, भिखारी बनकर कभी न जिऊं। प्रभु से प्रार्थना करना कि मेरे परमात्मा, ये मेरी आंखें जब तक इस संसार में रहें, तेरी लीला देख देखकर प्रसन्नता का अनुभव करती रहें। किसी के ऐब देखने में, किसी का ऐश्वर्य देखकर जलने में मेरी आंखें कभी भी व्यवहार में न आएं। मेरे कान सदैव तेरी महिमा सुनने के लिए उत्सुक हों। दूसरों की निन्दा में मेरी रुचि कभी भी न हो। ईश्वर से विनती करना कि यह वाणी तेरी महिमा के गीत गाएं, तेरी महिमा में लगे हुए बन्दों की प्रशंसा करें, लेकिन कभी किसी की निन्दा न करें तथा किसी के बढ़ते हुए कदमों को रोकने की कोशिश न करें। इस हृदय में अगर धड़कन रहे, तो तेरे प्यार की हिलोरें उठें। मेरा हृदय कत्तई संकुचित न हो, संकीर्णता मुझे छू भी न पाए, इतनी विशालता मेरे हृदय में भर देना।

संपादकीय

स्वच्छता सर्वेक्षण में इंदौर ने फिर से मिसाल कायम की

शहरों की स्वच्छता प्रशासनिक संजीदगी और सक्रियता के साथ-साथ वहां रहने वालों के नागरिक बोध का भी पता देती है। इस मामले में निस्संदेह इंदौर ने फिर से मिसाल कायम की है। वह सातवीं बार देश के स्वच्छता सर्वेक्षण में अव्वल आया है। इस बार गुजरात का सूरत भी कंधे से कंधा मिलाकर उसके साथ खड़ा हो गया है। दोनों शहर पहले स्थान पर आए हैं। राज्यों में महाराष्ट्र को पहला स्थान मिला है और गंगा किनारे के शहरों में

वाराणसी को। सफाईमित्र सुरक्षा के लिहाज से चंडीगढ़ ने पहले स्थान पर जगह बनाई है। गौर करें तो स्वच्छता सर्वेक्षण की तालिका में वही राज्य और शहर इस बार भी परस्पर प्रतिस्पर्धा करते हुए आगे निकलने की कोशिश करते देखे गए, जो कई वर्ष से होड़ में रहे हैं। बाकी राज्यों और शहरों से बहुत उत्साहजनक तस्वीर नहीं आई है। स्वच्छता सर्वेक्षण शहरों की नगरपालिकाओं और नागरिकों में साफ-सफाई के प्रति प्रतिस्पर्धात्मक जागरूकता पैदा करने के मकसद से शुरू किया गया था। इसके आकलन के लिए कुछ पैमाने बनाए गए हैं। मसलन, घर-घर जाकर कूड़ा इकट्ठा करना, अगलनीय कचरे को अलग रखना, कचरे का पुनर्चक्रण आदि। इस प्रयास के बेहतर नतीजे भी देखने को मिले हैं। सब जानते हैं कि स्वच्छता से जीवाणुओं और विषाणुओं के जरिए फैलने वाली अनेक बीमारियों पर लगाम लगाई जा सकती है। मच्छर और मक्खियों से फैलने वाली बीमारियों पर काबू पाना अब भी एक बड़ी चुनौती है। हर वर्ष बरसात के समय बड़ी संख्या में लोग इन बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। उनमें से बहुत सारे बच्चे असमय काल कवलित हो जाते हैं। इसके बावजूद गंदगी दूर करने को लेकर लोगों में अपेक्षित नागरिक बोध नहीं पैदा हो पाता। देश के बहुत सारे शहरों की नगरपालिकाएं कचरे का उचित निस्तारण नहीं कर पातीं। इसका नतीजा यह देखने को मिलता है कि जगह-जगह कचरे का ढेर जमा रहता है। जहां कचरा उठाया भी जाता है, वहां उसका उचित पुनर्चक्रण नहीं हो पाता। दिल्ली इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां कचरे के पहाड़ खड़े हैं और उन इलाकों में रहने वाले, उन इलाकों से होकर गुजरने वाले हर समय जोखिम में रहते हैं। इन कचरे के पहाड़ों को खत्म करने को लेकर राजनीति भी चलती रहती है। यही स्थिति सफाई कर्मियों की सुरक्षा को लेकर है। वे हर समय जोखिम भरे वातावरण में काम करने को मजबूर हैं। सीवरों की सफाई के लिए आज भी मशीनों के बजाय सीधे लोगों को गटर में उतार दिया जाता है। इसकी वजह से हर वर्ष अनेक मौतें भी हो जाती हैं। पर्यावरण प्रदूषण के बढ़ते खतरों के मद्देनजर भी साफ-सफाई, कचरे के निस्तारण, पुनर्चक्रण आदि में व्यावहारिक उपाय आजमाने पर जोर दिया जाता रहा है। अब तो मशीनों के इस्तेमाल ने इस काम को काफी आसान बना दिया है, मगर फिर भी अनेक नगरपालिकाएं इसे लेकर शिथिल ही नजर आती हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

दर्शन से कदमताल

कोलकाता के विश्वनाथ दत्त एवं भुवनेश्वरी देवी के संभ्रांत परिवार में 12 जनवरी, 1863 को एक बालक का जन्म हुआ। भगवान शिव की तपस्या के बाद जन्मे इस बालक को बचपन में नाम मिला नरेंद्रनाथ दत्त इस बालक को प्रेम से परिवार के लोग नरेन के नाम से बुलाते थे। संन्यास दीक्षा के बाद नरेन स्वामी विवेकानंद के नाम से प्रसिद्ध हुए। 11 सितम्बर, 1893 को शिकागो (अमेरिका) में आयोजित एक कार्यक्रम के ऐतिहासिक भाषण से यह संत संपूर्ण विश्व में प्रसिद्ध हो गया। स्वामी जी का यह भाषण हिन्दु धर्म की विशेषताओं एवं मान्यताओं को विश्व भर में पुनर्पतिष्ठित करने में सफल हुआ। गुलामी के कालखंड में स्वामी विवेकानंद ने भारतीय समाज में स्वाभिमान जगाने का कार्य किया। अस्पृश्यता निवारण, अशिक्षा को दूर करना, उद्योगों का विकास एवं महिला उत्थान जैसे अनेक विषयों पर उन्होंने भारत के विकास की नई दृष्टि दी, जो आज भी हमारे लिए प्रेरक मार्गदर्शन है। भोग- विलासिता एवं सांप्रदायिकता के संघर्ष में फंसे वैश्विक समुदाय को भी उन्होंने विश्व शांति का मार्ग दिखाया यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन पर स्वामी विवेकानंद के विचारों की अमिट छाप दिखाई देती है। विद्यार्थी काल में ही मोदी रामकृष्ण मिशन (राजकोट) से जुड़ गए थे। राजकोट शाखा के तत्कालीन प्रमुख स्वामी आत्मस्थानंद से उन्होंने संन्यास दीक्षा की इच्छा भी व्यक्त की थी। स्वामी आत्मास्थानंद ने ही उन्हें समाज के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी। यह प्रेरणा ही प्रधानमंत्री के लिए गरीब कल्याण एवं स्वाभिमानी समृद्ध भारत गढ़ने की प्रेरणा बन गई। रामकृष्ण मिशन के साथ उनका संबंध आज भी जीवंत बना है। स्वामी विवेकानंद गुलामी की मानसिकता के संबंध में कहते हैं, ''परतंत्रता रूपी इस अंधकार ने भारत के स्वाभिमान को ऐसा ग्रहण लगाया कि भारतवासी आत्मविश्वास ही खो बैठे।'' आत्महीनता का परिणाम हुआ कि हमारे महापुरुष, इतिहास, ज्ञान, कला एवं संस्कृति सभी में दोष देखने की प्रवृत्ति एवं विदेशी नकल को आधुनिकता का पर्याय मान लिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में 15 अगस्त, 2023 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत को विकसित भारत बनाने का संकल्प दोहराया। अमृत काल की इस बेला में उन्होंने प्रत्येक भारतीय को पंच प्रण का पालन करने का आग्रह किया। इसमें भारतीय समाज को सभी प्रकार की गुलामी छोड़ने का भी प्रण था। 22 जनवरी 2024 को श्रीराम मंदिर में भगवान श्रीराम के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा इसी स्वाभिमान को जगाने के अनेक प्रयासों में से एक है। स्वामी विवेकानंद शिक्षा द्वारा मनुष्य की लौकिक एवं पारलौकिक, दोनों प्रकार की उन्नति चाहते थे। नई शिक्षा नीति के माध्यम से सभी नागरिकों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा भारतीय भाषाओं के माध्यम से शिक्षा एवं भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाने का संकल्प स्वामी जी के विचारों का शिक्षा में प्रकट रूप है। स्वामी विवेकानंद गरीबों की पीड़ा को देखकर व्यथित थे। अमेरिका के वैभव से भारत की गरीबी की तुलना करते हुए वह रात्रि भर रोते रहे। समाज के अलग-अलग वर्ग के गरीबों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अनेक योजनाएं प्रारंभ कीं।

वार्षिक पुरस्कार अलंकरण, अधिवेशन सम्पन्न

आचार्य श्री वर्द्धमान सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में हुआ आयोजन। पं. जवाहर लाल भिंडर, डॉ शीतलचंद्र जैन जयपुर, हसमुख गांधी इंदौर व पारस लाल जैन उदयपुर हुए पुरस्कृत। प्रभावना जनकल्याण परिषद के तत्वावधान में हुआ आयोजन

सलुम्बर,उदयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्द्धमान सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सान्निध्य में चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी आचार्य पदारोहण शताब्दी वर्ष 2024 -25 के अंतर्गत प्रभावना जनकल्याण परिषद के तत्वावधान में वार्षिक अधिवेशन और पुरस्कार अलंकरण समारोह-2023 का आयोजन जैन समाज सलूम्बर के आयोजकत्व में 10 जनवरी 2024 को दोपहर 2 बजे से जैन बोर्डिंग हाउस सलुम्बर जिला उदयपुर राजस्थान में हर्षोउल्लास पूर्वक सम्पन्न किया गया। आयोजन का शुभारंभ प्रोफेसर ज्योति बाबू जैन उदयपुर के मंगलाचरण से हुआ। चित्र अनावरण व दीप प्रज्ज्वलन विद्वानों, अतिथियों व समाज श्रेष्ठियों ने किया। इस मौके पर परिषद के फोल्डर का विमोचन किया गया। पुरस्कार संयोजना और पुरस्कारों की घोषणा पुरस्कार संयोजक डॉ सुनील संचय ललितपुर ने प्रस्तुत की। अध्यक्ष सुनील शास्त्री टीकमगढ़ ने परिषद का परिचय प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बहुमुखी प्रतिभा संपन्न महा व्यक्तित्व को सम्मानित किया गया। पुरस्कार अलंकरण समारोह में विद्यान्वेषी आचार्य श्री वर्धमानसागर पुरस्कार प्रख्यात मनीषी पंडित जवाहर लाल जैन भींडर उदयपुर को प्रदान किया गया। हालांकि वे अस्वस्थता के कारण समारोह में उपस्थित नहीं हो सके। कार्यक्रम के अगले दिन आयोजन समिति ने उदयपुर स्थित उनके निवास पर जाकर उन्हें यह पुरस्कार समर्पित किया। इस पुरस्कार के पुण्यार्जक महावीर प्रसाद, कैलाशचंद, विनोद पाटनी उरसेवा मदनगंज किशनगढ़ रहे। इस पुरस्कार में 51 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाती है। पंडित इन्द्रमणी जैन-संगीतकार रविंद्र जैन स्मृति पुरस्कार देश के जाने-माने मूर्धन्य मनीषी परम आदरणीय डा शीतलचंद जैन प्राचार्य जयपुर को प्रदान किया गया। पुरस्कार पुण्यार्जक डॉ. मणीन्द्र जैन दिल्ली द्वारा 31 हजार रुपये की राशि का चेक प्रदान किया गया। धर्म शिरोमणी आचार्य श्री धर्मसागर पुरस्कार सी ए पारस लाल जैन उदयपुर को प्रदान किया गया। पुरस्कार पुण्यार्जक पदमचंद महेंद्र धगड़ा सीकर वाले चेन्नई रहे। इस पुरस्कार में 21 हजार रुपये की राशि का चेक प्रदान किया गया। बाबू बालचंद मलैया स्मृति पुरस्कार जैन युवा रत्न हंसमुख गांधी इंदौर को प्रदान किया गया। इस पुरस्कार के पुण्यार्जक महेश कुमार कपिल कुमार मलैया सागर रहे। इस पुरस्कार में 21 हजार रुपये की राशि का चेक प्रदान किया गया। धर्मसभा में आचार्य श्री वर्धमानसागर जी महाराज ने अपने देशना में बताया कि विद्वत्ता का सम्मान और ज्ञानियों का सम्मान करने से ज्ञान का क्षयोपशम होता है । आचार्यश्री ने स्याद्वाद महाविद्यालय के अवदान को रेखांकित करते हुए बताया कि पंडित गणेशप्रसाद जी वर्णी ने जैन विद्वानों को तैयार करने के लिए स्याद्वाद महाविद्यालय को वाराणसी में प्रारंभ किया था। आज पुरस्कृत डॉ शीतलचंद्र सहित अनेक विद्वानों ने वहां शिक्षा प्राप्त की। आज के परिपेक्ष्य में नए विद्वानों की आवश्यकता है। जिनवाणी को विद्वान और मुनिराज समाज के सामने प्रस्तुत करते हैं। आचार्य श्री ने आचार्य शांति सागर जी आचार्य पदारोहण शताब्दी महोत्सव वर्ष में विद्वानों के सम्मेलन की आवश्यकता प्रतिपादित की।

इसके पूर्व मुनि श्री हितेंद्रसागर जी महाराज ने आचार्य शांति सागर जी महाराज के व्यक्तित्व एवं कृतित्व प्रकाश डाला और बताया कि आचार्य शांतिसागर जी का अवदान अविस्मरणीय और अनुपम है। इस अवसर पर डॉ मणीन्द्र जैन दिल्ली, कैलाश पाटनी मदनगंज किशनगढ़, राजेश रागी बकस्वाहा, पंडित पवन दीवान सागर, डॉ हरिश्चंद्र जैन मुरैना, डॉ ज्योति बाबू जैन उदयपुर, सुनील शास्त्री टीकमगढ़, प्रद्युम्न शास्त्री जयपुर, डॉ. सुनील संचय ललितपुर,राजेंद्र महावीर सनावद, मनीष विद्यार्थी शाहगढ़, राजेश पंचोलिया इंदौर, रमेश शास्त्री जोबनेर, अनिल शास्त्री सागर, विनोद शास्त्री सावला, अंकित शास्त्री सोजना आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री पंडित प्रद्युम्न शास्त्री जयपुर ने किया। कार्यक्रम को अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया। सलूंबर जैन समाज के प्रभुलाल,दिनेश,शांतिलाल, मनोहर लाल, सुशील मिंडा मणि लाल द्वारा सभी विद्वानों का श्रीफल,शाल, पगड़ी,माला, स्मृति चिन्ह से स्वागत किया। आचार्य श्री शांति सागर जी एवम पूर्वाचार्यों के चित्र का अनावरण, दीप प्रवजल्लन, तथा आचार्य श्री वर्धमान सागर जी के चरण प्रक्षालन, जिनवाणी भेट अतिथियों व विद्वानों ने किया। इस मौके पर नथमल मिंडा, सुनील, विमलकांत संजय जैन सलूम्बर ने आचार्य श्री शांतिसागर पुरस्कार व हसमुख गांधी इंदौर ने श्रुतसेवी यंग अवार्ड पुरस्कार के पुण्यार्जक बनने की घोषणा की। परिषद की आयोजित बैठक में सर्व सम्मति से आगामी तीन वर्ष के लिए नवीन कार्यकारणी की घोषणा की गई जिसमें राजेश रागी बकस्वाहा को सर्व सम्मति से अध्यक्ष बनाया गया। -**अनिल शास्त्री, प्रचार मंत्री**

रोटरी क्लब ने किए हैंड वॉश वितरित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। रोटरी क्लब के स्थानीय शाखा ने स्वच्छता ही स्वास्थ्य की कुंजी है, थीम को अपनाते हुए शुक्रवार को नगर के विभिन्न विद्यालयों में छात्र- छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरुक करते हुए हैंड वॉश वितरित किए। रोटरी क्लब अध्यक्ष आशीष गोयल ने बताया कि हैंड वॉश वितरित करने का प्रमुख उद्देश्य जहां छात्र-छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना था वहीं छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को मौसमी बीमारियों से बचाना भी था। इस अवसर पर रोटेरियन द्वारका प्रसाद ऐरन, दयानंद, मनीष झंवर, भीकम जैन, हिमांशु गर्ग और अमित तापड़िया उपस्थित थे।

राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय में केरियर डे मनाया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय में शुक्रवार को संस्था प्रधान मोनिका जैन की अध्यक्षता में कैरियर डे मनाया गया। इस अवसर पर फिजियो थेरेपिस्ट डॉ रवि पथरिया, एडवोकेट ललित मेहरा, मणिकांत शर्मा, अशोक संगवानी, बृजेश बिस्सा, समाजसेवी सुशील गदिया व इश्तियाक अहमद कुरेशी, ब्यूटीशियन मेघा वर्मा, नगर पालिका पार्षद सरोज बिस्सा ने छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। इस दौरान एसडीएमसी सदस्य सुशील गदिया और पार्षद सरोज बिस्सा ने विद्यालय को कंप्यूटर भेंट किया।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से ...

जीने और जीतने की इच्छा किसके भीतर नहीं है- ?
सबके भीतर है लेकिन सब हारे हैं - ना जी पा रहे हैं, ना जीत पा रहे हैं...!

एक शब्द पढ़ने में आया सर्वहारा जो अपने दुर्गुणों को नहीं जीत पाया, वह सर्वहारा है। जो अपने आप से हार गया, वो सर्वहारा है।जो अपनी इच्छाओं को नहीं जीत पा रहा है, वह जीते जी मरा है। सम्राट कहो या धनपति - वही है जिसने अपनी इच्छाओं को जीत लिया है। जिसने इच्छाओं को समाप्त करके संयम रूपी रत्न प्राप्त कर लिया है, वही असली धनपति, धर्मात्मा है,, और जो इससे रहित है, वो धनवान होने के बावजूद भी दरिद्री है। एक दुर्गुण हमारे हजारों-हजार सद्गुणों का सत्यनाश कर देता है। रावण के पास लाखों-लाख सद्गुण थे, लेकिन एक दुर्गुण ने सब गुणों का खात्मा कर दिया। आज सबसे बड़ी दौलत सन्तान है। यदि सन्तान योग्य और सद्गुणों से सम्पन्न है, तो माता पिता की इससे बड़ी पूंजी दूसरी कुछ नहीं और यदि सन्तान अयोग्य, दुर्गुणी, व्यसनी, व्यभिचारी है, तो इससे बड़ी निर्धनता और दरिद्रता दूसरी कुछ हो ही नहीं सकती। सौ बात की एक बात सन्तान योग्य-सद्गुणी है, तो वह धनवान है और अयोग्य दुर्गुणी है, तो इससे बड़ी निर्धनता दूसरी कुछ नहीं...! **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

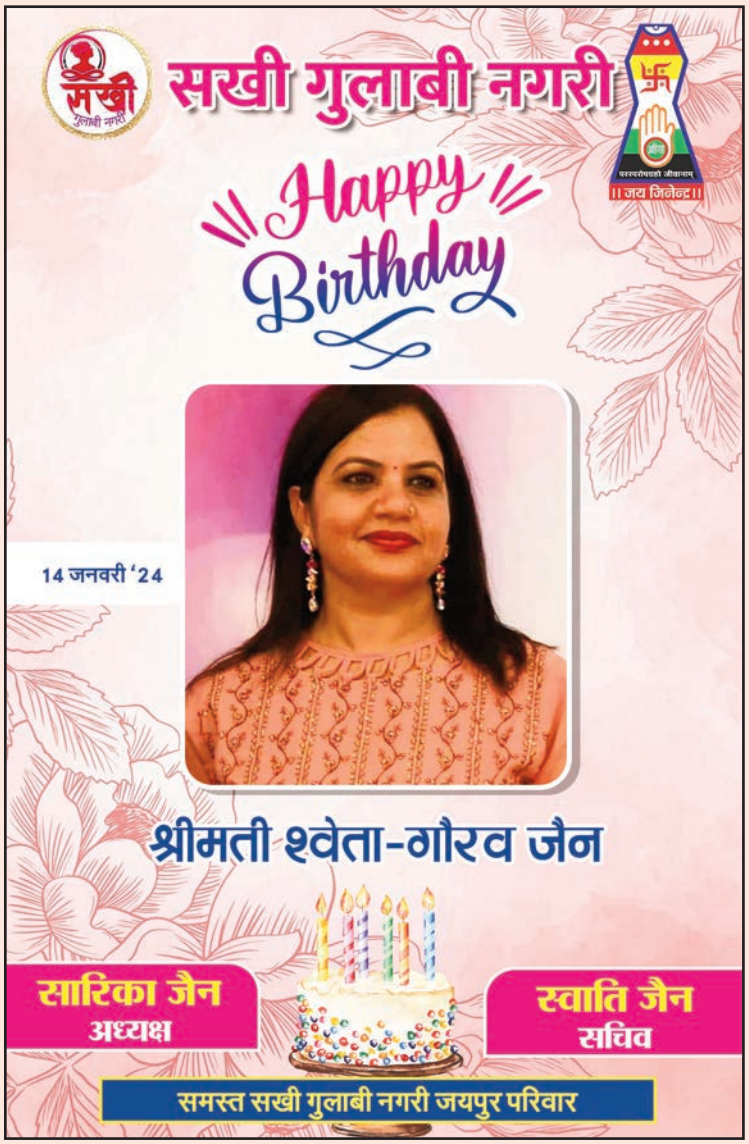

परस्पर सद्भावना, समृद्धि और पंजाबियत का मुजस्मा: लोहड़ी पर्व

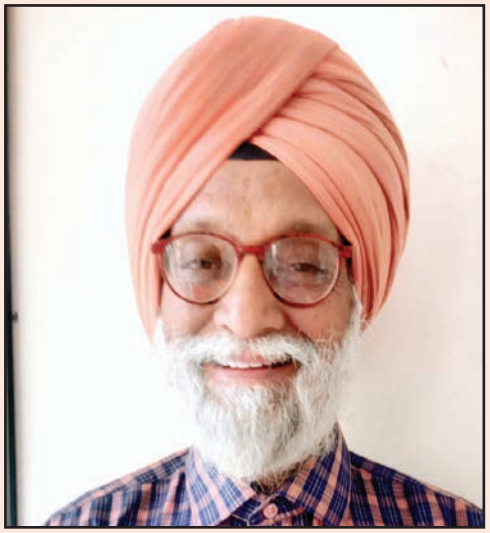

ओंकार सिंह
अध्यक्ष, केबीजीबी संस्था, जयपुर
9982222606

शाबाश इंडिया

लोहड़ी पर्व पौष के अंतिम दिन, सूर्यास्त के बाद माघ संक्रांति की पूर्व रात्रि प्रायः 13 जनवरी को सूर्यास्त के बाद मनाया जाता है। लकड़ी, गोहा (सूखे उपले) और रेवड़ी 'लोहड़ी' की प्रतीक सामग्री हैं। इन सब को अग्नि भेंट किया जाता है। पूस-माघ की कड़कड़ाती सर्दी से बचने के लिए आग भी सहायक सिद्ध होती है - यही व्यावहारिक आवश्यकता 'लोहड़ी' को मौसमी पर्व का स्थान देती है। सिख/पंजाबी परिवारों में नयी बहु के आगमन अथवा जिन्हें पुत्र प्राप्ति होती है वहां नए सदस्य के आगमन की खुशी में पहली लोहड़ी के नाम से यह त्यौहार मनाया जाता है। सिख समाज में कन्या को बराबरी का दर्जा दिया जाता है। इस वजह से बेटी के जन्म पर ‍‍"लोहड़ी धीयां दी" बड़े सम्मान के साथ सामूहिक रूप से मनाई जाती है। लोहड़ी पर सारे मित्र-संबंधी इकठ्ठे होते हैं। ढोल-नगाड़ों के साथ भंगडा-गिद्दा डालते हैं। हंसी-खुशी का खूबसूरत माहौल बनता है। सभी लोग एक दूसरे प्रति सुख-समृद्धि की प्रभु से अर्चना करते हैं। लकड़ी और उपले जला कर घर आए सभी मेहमान अग्नि के चारों ओर परिक्रमा करते हैं। अग्नि में मक्के के पॉपकॉर्न और तिल की रेवड़ी इस विश्वास डालते हैं कि जाने-अंजाने में हुवे पापों का तिल मात्र भी अंश उनमें न रहे, सबका नाश हो जाए। हिंदू मान्यता अनुसार अग्नि सच्चाई, पवित्रता, शक्ति और नई संरचना का प्रतीक है जो हर अनिष्टता और दुख-कलेश का नाश कर परिवार में सुख-समृद्धि और शांति का वरण करवाती है। गांव और मोहल्ले के बच्चे घरों-घरों से पैसे और सामग्री इक्कठी कर सामूहिक लोहड़ी भी जलाते हैं-

सानू दे लोहड़, तेरी जीवे जोड़ी।
सानू दे दाणे, तेरे जीउण न्याणे।

लोहड़ी के अगले दिन सूर्य मकर राशि (माघ) में प्रवेश करते हैं। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान, दानपुण्य और पाठ पूजा का विशेष महत्व होता है। दक्षिण भारत इसे पोंगल के रूप में मनाता है। लोहड़ी और मकर सक्रांति के बाद मौसम में परिवर्तन होना शुरू हो जाता है। यह त्यौहार जाड़े ऋतु के ढलने का द्योतक है- रातें छोटी और दिन बड़ा होना शुरू हो जाते हैं। गन्ने और सरसों की रबी फसल के तैयार होने की खुशी का लोहड़ी और मकर सक्रांति एक सांझा संगम है। लोहड़ी की उत्पत्ति के बारे में दुल्हा भट्टी की प्राचीन कथा है जो पुरातन पंजाब से जुडी हुई है। दुल्ला भाटी (भट्टी) मुगल शासक अकबर के समय पंजाब में एक नायक की तरह रहता था जिसे हम रोबिन हुड का पंजाबी संस्करण भी कह सकते हैं। अमीरों को लूटता और लूटा धन गरीबों में बंटता था। मुगल राज में हिंदू लड़कियों को बल पूर्वक अमीर लोगों को बेच जाता था। जिसे दुल्ला भाटी मसीहा बन उन लड़कियों को मुक्त करवा कर उनके मां बाप के सुपुर्द करता था। हिन्दू लडकों से होने वाली शादी की सभी व्यवस्थाऐं दुल्ला भट्टी हीं करता था।

प्रचलित गीत का नुक्ता इस प्रकार हैं -

सुंदर मुंदरिये हो
तेरा कौन विचारा हो
दुल्ला भट्टी वाला हो!
दुल्हे दी धी व्याई हो!
सेर शक्कर पेयी हो!
कुड़ी दा लाल पाठका हो!
कुड़ी दा सालु पाता हो!
सालु कौन समेटे!
चाचा गली देसे!
चाचा चूरी कुट्टी! जमीदारा लुट्टी!
जमींदार सुधाए!
बम बम भोले आये!
एक भोला रह गया!
सिपाही दूर लै गया!
सिपाही ने मारी इत्त!
भावें रो ते भावें पिट!
सानू दे दे लोहड़ी, ते तेरी जीव जोड़ी!

सीएचजेयू ने पत्रकारों को निःशुल्क वितरित की 10-10 लाख की बीमा पॉलिसी

सीएचजेयू द्वारा पत्रकारों का समाज के प्रति दायित्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। चंडीगढ़ एंड हरियाणा जर्नलिस्ट यूनियन ने कुरुक्षेत्र जिले के सीएचजेयू सदस्य पत्रकारों को 10-10 लाख की निशुल्क बीमा पॉलिसी वितरित की। इस अवसर पर सीएचजेयू की जिला इकाई एवं प्रेस क्लब कुरुक्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में पत्रकारों का समाज के प्रति दायित्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 10-10 लाख की इन व्यक्तिगत बीमा पॉलिसी का खर्च सीएचजेयू ने खुद उठाया है, सदस्यों से यह खर्च नहीं लिया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता सीएचजेयू के प्रधान राम सिंह बराड़ ने कहा कि पत्रकारों को समाज में अगर किसी के साथ ज्यादती हो रही है तो उसकी आवाज उठानी चाहिए। मगर इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि दोनों पक्षों को सामने रखे और दोनों की बात सामने आनी चाहिए। इसके साथ ही किसी भी खबर में खुद पार्टी नही बनना चाहिए। सीएचजेयू के प्रदेश चेयरमैन बलवंत तक्षक ने कहा कि पत्रकार सरकार और जनता के बीच की कड़ी हैं। पत्रकार कमजोर वर्ग की आवाज उठाने का काम करता है। पत्रकारों को अपनी पहचान नही खोनी चाहिए। समय के साथ मीडिया का स्वरूप भी बदला है। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ डिजिटल मीडिया भी अपना स्थान बना रहा है। उन्होंने कहा कि आज अगर किसी पत्रकार के साथ ज्यादती होती है तो एक साथ होकर उसके लिए खड़े होने की जरूरत है। आईजेयू के महासचिव बलविंदर सिंह जम्मू ने कहा कि आज पत्रकारिता संकट में फंस गई है। उन्होंने कहा कि प्रेस परिषद का दायरा बढ़ाना चाहिए। पत्रकारों की सुरक्षा के लिए एक्ट बनना चाहिए। प्रेस क्लब कुरुक्षेत्र के चेयरमैन राजेश शांडिल्य ने कहा कि पत्रकारों को समाज में जो हो रहा है उस पर भी निगाह रखनी चाहिए। यदि समाज में किसी के साथ अन्याय होता है तो पत्रकारों को उसका साथ देना चाहिए। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि नगर परिषद थानेसर की निवर्तमान अध्यक्षा उमा सुधा पहुंची। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी संदीप गर्ग ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सदस्य सूरजभान कटारिया, जिला बार एसोसिएशन के प्रधान कृष्ण कुमार गुप्ता, चंडीगढ़ प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष नलिन आचार्य भी पहुंचे। इससे पहले सभी अतिथियों का कार्यक्रम में पहुंचने पर प्रेस क्लब के प्रधान रामपाल शर्मा व अशोक यादव के नेतृत्व में क्लब के सदस्यों ने पुष्प गुच्छ के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह व शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। सीएचजेयू की ओर से प्रेस क्लब के प्रधान रामपाल शर्मा व शाहाबाद से सतनाम सिंह को पत्रकारिता के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए शाल, सम्मान पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान सीएचजेयू की तरफ से 66 पत्रकारों को 10-10 लाख रुपए की निशुल्क बीमा पॉलिसी वितरित की गई। सीएचजेयू द्वारा कुरुक्षेत्र व फतेहाबाद के करीब 200 पत्रकारों को निशुल्क बीमा पॉलिसी प्रदान की जा चुकी है और जल्द ही प्रदेश के अन्य पत्रकार सदस्यों को निशुल्क बीमा पॉलिसी वितरित करेगी। नगर परिषद की निवर्तमान अध्यक्ष उमा सुधा ने सभी पत्रकारों को नव वर्ष एवं लोहड़ी उत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पत्रकारों का समाज के प्रति महत्वपूर्ण दायित्व है। पत्रकारों को सकारात्मक सोच के साथ काम करना चाहिए, जिससे समाज को कोई नुकसान न हो। समाजसेवी संदीप गर्ग ने भी सभी को नववर्ष, लोहड़ी, मकर संक्रांति पर्व की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होते हैं। सूरजभान कटारिया ने कहा कि सीएचजेयू ने पत्रकारों का 10-10 लाख का निशुल्क दुर्घटना बीमा करवाकर बेहद सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को ऐसे समाचार छापने चाहिए जिसे समाज का भला हो क्योंकि पत्रकारों पर समाज विश्वास करता है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

अपना घर में प्रथम पुण्य तिथि पर प्रभुजी भोजन कराया

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। सबकी सेवा सबको प्यार जीवों ओर जीने दो के उद्देश्य से महावीर इंटरनेशनल वीरा धरा की प्रेरणा से श्रीमती अनिता देवी धर्म पत्नी श पदमचंद काला हिरणोदा फुलेरा परिवार ने सामाजिक सरोकार के तहत प्रथम पुण्य तिथि पर बेसहारा लाचार बीमार असहाय जन का आवास अपना धर में प्रभुजी को दोनों समय का भोजन अल्पाहार कराकर सेवाकार्य किया। इस अवसर पर वीरा अध्यक्ष सरोज पाटनी, सचिव शारदा, सोहनलाल वृमा, कोषाध्यक्ष मंजू बड़जात्या सहयोगकर्ता परिवार से मनीषा बड़जात्या कूकनवाली, शकुंतला, तेजकुमार, राखी, मनु बड़जात्या सोनल काला, विमला, खुशबू पाटनी मनीषा, कल्पना पहाड़ियां वीर रामावतार गोयल, अजीत पारस पहाड़ियां आनन्द सेठी, विशाल जैन, संदीप पाडया, महेश लढा ने सेवा कार्यों में सहयोग किया वीर सुभाष पहाड़ियां ने सभी के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया ।

दुर्गापुरा महिला मंडल ने जीव दया के लिए सहयोग किया

जयपुर। खुला आसमान और इस आसमान में इठलाती पतंगें नज़ारा तो बहुत ख़ूबसूरत होता है आख़िरी मौक़ा जो होता है मकर सक्रांति का लेकिन यही पतंगें बेज़ुबान पक्षियों के लिए जानलेवा बन जाती है.हमारे हाथों में पकड़ी डोर इनके लिए जाल बन जाती है पैनी तलवार बन जाती है और ये ज़ख़्मी हो जाते हैं अपनी जान से हाथ धो बैठते हैं। दुर्गापूरा महिला मंडल के द्वारा 13 जनवरी को दोपहर 2:30 बजे घायल पक्षियों की सहायता के लिए bird rescue operation मे सहयोग हेतु आज महिला मंडल दुर्गापुरा के द्वारा पक्षी चिकित्सा शिविर में एक महीने का राशन एवं नगद राशि भेंट करके एक बहुत ही नेक सामाजिक कार्य में सहयोग प्रदान किया । अध्यक्ष : रेखा लुहाडिया, मंत्री : रानी सौगानी ने बताया कि इस अवसर पर चंदा सेठी, वर्षा अजमेरा, रेणु पांड्या, मोना चांदवाड, प्रीति टोडा, आशा गर्ग, स्वाति, गरिमा आदि उपस्थित रही।

दिगम्बर जैन सोश्यल ग्रुप वीर जयपुर ने की गौसेवा

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष जैन रत्न स्व. श्री प्रदीप कुमार सिंह जी कासलीवाल साहब की 76वी जन्म जयंती दिवस को आज दिनांक 13 जनवरी 2024 को दिगम्बर जैन सोश्यल ग्रुप वीर जयपुर द्वारा गौ सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। वीर ग्रुप के सचिव पंकज जैन ने बताया कि फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष परम आदरणीय स्व. श्री प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल के 76 जन्म जयंती पर दिगम्बर जैन सोश्यल ग्रुप फेडरेशन राज. रीजन के आव्हान पर वीर ग्रुप जयपुर के 25 सदस्यों ने आज मुरलीपुरा जैन मंदिर से रवाना होकर बैनाड़ रोड़, कदंब डूंगरी, सरना स्थित पशुपति गौशाला पहुंचकर अपने हाथों से गौधन को खल, गुड़ और 100 किलो चारा खिला कर सेवा की। इसके पश्चात सभी ने प्रकृति की गोद में स्थित कदंब डूंगरी मंदिर के दर्शन लाभ प्राप्त किया, तत्पश्चात ग्रुप के सभी सदस्यों ने बैनाड़ चंद्रगिरी स्थित चंद्रप्रभु भगवान के दर्शन किए। दर्शन के पश्चात ग्रुप के सभी सदस्यों ने मंदिर की भोजनशाला में सुरुचिपूर्ण एवं स्वादिष्ट अल्पाहार किया। अंत में कार्यक्रम के सफल आयोजन पर कार्यक्रम के पुण्यार्जक एवं वीर ग्रुप के अध्यक्ष नीरज-रेखा जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस विशेष अवसर पर जीव सेवा के कार्यक्रम में नीरज-रेखा जैन (अध्यक्ष), पंकज-कशिश जैन (सचिव), आशीष-रिद्धि जैन (कोषाध्यक्ष), अंकित-कोमल छाबड़ा, सुरेश चंद जैन, धर्मचंद बड़जात्या, मंजू बड़जात्या, सुधीर जैन, सुधा जैन, सीमा छाबड़ा, अनिल-ज्योति रेखा गोधा आदि की उपस्थित रही।

नेटथियेट पर सारंगी वादन के सुरीले स्वर

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेटथियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज प्रसिद्ध सारंगी वादक दायम अली खान ने जब सारंगी पर अपने स्वर छेडे तो दर्शक स्वर गंगा में नहा उठे। नेटथियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि जयपुर के सुरीले सारंगी वादक दायम अली खान ने शास्त्रीय राग हेमंत से अपने कार्यक्रम का शुरूआत की। उन्होंने राग हेमंत में अलाप, मध्य लय और द्रुत लय में एक बंदिश बजाकर दर्शकों को रोमांचित किया। इसके बाद उन्होंने दादरा ताल में एक धुन सुनाकर दर्शकों से दाद पाई ' उन्होंने अपने पिता उस्ताद रज्जब अली खान साहब और चाचा उस्ताद लियाकत अली खान साहब से सारंगी की तालिब हासिल की। आपके साथ तबले पर राजस्थान के सुप्रसिद्ध तबला नवाज मेहरूम उस्ताद हिदायत खा साहब के शिष्य तबला वादक फारूख हुसैन ने तीनताल में कायदा,रेलें राव चाला और ताल दादरा में खूबसूरत लगी के साथ संगत करते हुए अपनी उंगलियों का ऐसा जादू बिखेरा कि दर्शक ऐसी सधी हुई संगत से सारंगी की मीठी तान में खो गये।

45 स्थानों पर घायल पक्षी संकलन एवं चिकित्सा केंद्र शुरू

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान जन मंच ट्रस्ट पक्षी चिकित्सालय मालवीय नगर जयपुर की ओर से अलग-अलग स्थान पर 45 घायल पक्षी संकलन एवं चिकित्सा केंद्र स्थापित किए गए हैं जो शनिवार से शुरू हुए। कैंप 15 जनवरी तक चलेंगे। पक्षी चिकित्सालय के संस्थापक कमल लोचन ने बताया कि प्रत्येक कैंप में वेटरनरी चिकित्सक,दवाइयां, वालंटियर आदि की व्यवस्था की गई है द्य सभी कैंप 15 जनवरी शाम 6:00 बजे तक अपनी सेवाएं देंगे द्य इसके पश्चात स्थाई पक्षी चिकित्सालय 13-ए, प्रकृति भारतीय, कैलगिरी रोड ,मालवीय नगर जयपुर में 24 घंटे सेवाएं जारी रहेगी द्य पक्षी चिकित्सालय द्वारा झोटवाड़ा, सुभाष चौक, मुरलीपुरा, विद्याधर नगर, प्रताप नगर, त्रिवेणी चौराहा, राजा पार्क अंबाबाड़ी के अलावा जयपुर से बाहर भी घायल पक्षियों की चिकित्सा हेतु संस्था द्वारा कैंप स्थापित किए गए हैं ।आज 13 जनवरी को शाम 5:00 बजे तक 5 प्रजातियों के 124 पक्षी अलग-अलग कैंपों पर चिकित्सा के लिए ले गए।

धार्मिक क्रियाएं पहले व्यावहारिक फिर व्यवस्थित और अब परम्परागत : आचार्य सौरभ सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी-ज्योतिनगर जैन मंदिर में प्रवास रत आचार्य सौरभ सागर जी मुनिराज ने शनिवार को धर्म सभा में बताया कि धार्मिक क्रियाएँ पहले व्यावहारिक होती थी समय उपरांत इन्होंने एक व्यवस्थित रूप ले लिया तथा अब अलग अलग प्रचलित परम्पराओ के अनुसार हो गई है। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के अनुसार आचार्य श्री ने जिज्ञासाओ के समाधान में कहा कि अष्ट द्रव्य में से बहुत पहले पुष्प व नैवेद्य लुप्त हुए फिर दीप और धूप तथा पिछले कुछ वर्षों में जल और चन्दन भी लुप्त हो गए है। आचार्य श्री ने आगे समझाया की जैसे परिणाम वैसी ही गति होती है। भगवान के समक्ष हमारे जो भाव होते है वैसा ही हमे परिणाम मिलता है ।इस संबंध में अनित्य, अशरण , सांसारिक आदि बारह भावनाओं का भी आचार्य श्री ने ज़िक्र किया। सभा में इससे पूर्व चन्द्रमणि चाँदवाड द्वारा मंगलाचरण तथा ऋषब बाकलीवाल द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। सभा में देवेंद्र कासलीवाल, सुरेश काला, तारा चंद गोधा सहित कई श्रोताओं ने अपनी जिज्ञासा का समाधान प्राप्त किया। आचार्य श्री का नित्य प्रातः नो बजे प्रवचन व दिन में तीन बजे स्वाध्याय का कार्यक्रम होता है ।

स्वयंसिद्धा उत्तरायण उमंग प्रदर्शनी की हुई समीक्षा

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। लघु उद्योग भारती महिला इकाई द्वारा 6 एवम 7 जनवरी को जवाहर भवन में आयोजित स्वयंसिद्धा उत्तरायण उमंग प्रदर्शनी की समीक्षा हेतु लघु उद्योग भारती महिला इकाई एवं मुख्य इकाई के द्वारा एक बैठक का आयोजन आज प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अजय खंडेलवाल के सान्निध्य मे उनके रिको तृतीय स्थित कार्यालय पर किया गया।

कार्यक्रम संयोजक कार्तिक झवर एवम रवि झंवर की अगुवाई में हुई इस बैठक में मुख्य एवम महिला इकाई के 51 सदस्य उपस्थित रहे। मुख्य शाखा सचिव विजय मेहता ने बताया कि लघु उद्योग भारती की यह परंपरा है कि किसी भी कार्यक्रम के पश्चात उसकी समीक्षा की जाती है जिसका उद्देश्य यह होता है कि भविष्य में कार्यक्रम को और बेहतर कैसे किया जाए। महिला इकाई अध्यक्षा श्रीमति अर्पिता शर्मा ने बताया कि महिला इकाई की सदस्याओ ने इस प्रदर्शनी से नए अनुभव प्राप्त किए है उनसे महिलाओं की उद्यमिता का विकास प्रबल होगा । महिला इकाई सचिव उर्वशी भारद्वाज ने बताया कि उन्हें स्टॉल लगाने वाली सभी महिलाओं से फीड बैक मिले कि सभी स्टॉल लगाने वाली महिलाएं इस आयोजित प्रदर्शनी की व्यवस्थाओं से पूर्ण रूप से प्रसन्न रही है। महिला शाखा से कार्यक्रम संयोजिका कविता नाहर और शोभन्ता मेहता ने बताया कि स्टॉल लगाने वाली सभी महिलाओं का यह भी कहना था कि इस संस्था द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का स्तर काफी उच्च कोटि का था और संस्था द्वारा भविष्य में आयोजित होने वाली आगामी प्रदर्शनी में भी वो अवश्य शामिल होना चाहेंगे। मुख्य शाखा अध्यक्ष सचिन नाहर ने बताया कि आगामी स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी वर्ष 2025 में 11 व 12 जनवरी को ब्यावर में आयोजित की जायेगी साथ ही इस समीक्षा बैठक में उपस्थित सभी 51 सदस्यों ने अपने अपने बहुमूल्य सुझाव दिए ।

मकर संक्रांति के मौके पर महिला जैन मिलन ने किया वात्सल्य मिलन कार्यक्रम

गौरव जैन सिन्नी. शाबाश इंडिया

अशोकनगर। महिला जैन मिलन की अशोकनगर इकाई द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर एक वात्सल्य मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जैन मिलन की महिला सदस्यों द्वारा भगवान महावीर स्वामी की प्रार्थना एवं भक्तामर पाठ के वाचन से किया गया। इसके पश्चात समिति के सदस्यों ने एक दूसरे को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी।कार्यक्रम में महिला जैन मिलन के आगामी प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का आयोजन अंजू जैन कांसल के फॉर्महाउस पर किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्याओं ने गेम खेले और स्वल्पाहार किया। अंत में विजेताओं को पुरूस्कार प्रदान किए गए।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप आदिनाथ जयपुर का सामाजिक सरोकार का सेवार्थ कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष जैन रत्न स्वर्गीय श्री प्रदीप कुमार सिंह जी कासलीवाल की 76वीं जन्म जयंती के अवसर पर सामाजिक सरोकार के कार्यक्रम के तहत दिगंबर जैन सोशल ग्रुप आदिनाथ जयपुर द्वारा दिनांक 13 जनवरी 2024 शनिवार को प्रातः 10:00 बजे दुर्गापुरा स्थित गौ सेवा केंद्र मे गौ सेवा कर मनाया गया,वहां गायों को हरा चारा खिलाया गया। आदिनाथ ग्रुप अध्यक्ष कैलाश चंद बिन्दायक्या के अनुसार इस कार्यक्रम में फेडरेशन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अतुल -नीलिमा बिलाला, ग्रुप संरक्षक प्रदीप छाबड़ा, सचिव विमल प्रकाश कोठारी, उपाध्यक्ष राजेन्द्र -गुणमाला पाण्ड्या, सन्तोष लुहाडिया, ग्रुप के सक्रिय सदस्य राज कुमार गंगवाल व दिलीप पाण्ड्या एवम अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार, जयपुर ने कंबल वितरित किए

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार, जयपुर ने कंबल वितरित किए। ग्रुप अध्यक्ष, मोहनलाल गंगवाल एवम सचिव गिरीश कुमार जैन ने बताया कि दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के निदेर्शानुसार फैडरेशन के राष्ट्रीय संस्थापक जैन रत्न स्व.श्री प्रदीप कुमार सिंह जी कासलीवाल की 76वीं जन्म जयंती के अवसर पर दिनांक 13-1-2024 को प्रातःकाल 11.30 बजे आशा दीप , 20/202 कावेरी पथ, मानसरोवर, जयपुर में असहाय व्यक्तियों को प्रदीप कुमार एवं श्रीमती कौशल्या तेरापंथी के सौजन्य 30 कम्बल वितरित किए गए। ग्रुप की ओर से उपस्थित सदस्यों को नास्ता करवाया गया एवं मकर संक्रांति के उपलक्ष सभी सदस्यों को 1/2 किलो देशी घी की फिनियो के पैकेट दिए गये।